भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

02.04.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 5082 का उत्तर

एर्नाकुलम टाउन और जंक्शन रेलवे स्टेशनों के लिए पुनर्निर्माण परियोजनाएं

5082. श्री हैबी ईडन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या एर्नाकुलम टाउन और जंक्शन रेलवे स्टेशनों में विनिर्दिष्ट गुणवत्ता के साथ पुनर्विकास परियोजनाओं का समयबद्ध कार्य सुनिश्चित करने और इसकी बाधाओं का समाधान करने के लिए कोई कार्यनीतियां बनाई गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या पुनर्विकास योजनाओं में एर्नाकुलम टाउन और जंक्शन रेलवे स्टेशनों के पीछे की ओर से प्रवेश करने वाले यात्रियों के लिए विशेषकर शौचालयों जैसी मूलभूत सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने पर विचार किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इनमें स्तनपान कराने वाली माताओं, दिव्यांगजनों, ट्रांसजेंडरों और महिलाओं से संबंधित सुविधाओं, सुरक्षा और अनिवार्य व्यवस्थाओं सहित विशेष समूहों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रावधान किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या एर्नाकुलम टाउन और जंक्शन के लिए प्रस्तावित स्काई वॉक और मल्टीलेवल कार पार्किंग जैसी नई सुविधाओं के लिए व्यापक परिदृश्य उपलब्ध है; और

(ङ) यदि हां, तो इसकी क्षमता, गुणवत्ता, दक्षता और प्रभावकारिता सहित ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत पुनर्विकास के लिए एरणाकुलम टाउन और एरणाकुलम जंक्शन रेलवे स्टेशन की पहचान की है। चिह्नित

स्टेशनों पर कार्य तेज गति से शुरू हो गया है। एरणाकुलम टाउन और एरणाकुलम जंक्शन स्टेशनों पर प्रगति नीचे दी गई है:

एरणाकुलम जंक्शन स्टेशन पर, पूर्वी टर्मिनल बिल्डिंग की नींव डालने का कार्य, बहुमंजिला कार पार्किंग और सेवा भवन का कार्य पूरा किया जा चुका है। पूर्वी टर्मिनल बिल्डिंग, बहुमंजिला कार पार्किंग और सेवा भवन का संरचना संबंधी कार्य शुरू हो गया है। इसके अलावा, कार्यालय भवन, रेलपथ डिपो और रेलपथ कार्यालय का संरचना संबंधी कार्य पूरा किया गया है और फिनिशिंग का कार्य शुरू किया गया है। पश्चिमी टर्मिनल भवन का नींव संबंधी कार्य शुरू किया गया है।

एरणाकुलम टाउन स्टेशन पर, पश्चिमी टर्मिनल भवन (सेगमेंट-I), बहुमंजिला कार पार्किंग का संरचना संबंधी कार्य शुरू किया जा चुका है। ऊपरी पैदल पार पुल की नींव संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है और संरचना कार्य शुरू किया गया है। आवासीय टावर का संरचना संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है और ब्लॉक की चिनाई का कार्य शुरू किया गया है। अस्थायी सबस्टेशन, नए ऑप्टिकल फाइबर केबल रिपीटर कक्ष और अस्थायी सीवेज शोधन संयंत्र का कार्य पूरा किया जा चुका है।

एरणाकुलम जंक्शन और एरणाकुलम टाउन रेलवे स्टेशनों की पुनर्विकास योजना में स्टेशन भवन/पैदल पार पुल/स्काईवॉक से, जैसा लागू हो, पिछली दिशा से यात्रियों के प्रवेश की व्यवस्था की गई है।

इस पुनर्विकास योजना में शिशु स्तनपान कक्ष, चाइल्ड हेल्प लाइन, स्वास्थ्य सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्थाएं, शौचालय इत्यादि के लिए भी प्रावधान हैं।

एरणाकुलम जंक्शन और एरणाकुलम टाउन पर बहुमंजिला कार पार्किंग का प्रावधान है तथा एरणाकुलम जंक्शन स्टेशन से एरणाकुलम साउथ मेट्रो स्टेशन तक स्काइवॉक की व्यवस्था है। एरणाकुलम टाउन स्टेशन से एरणाकुलम नार्थ रोड ओवर ब्रिज तक एक स्काइवॉक की योजना है जहां बस अड्डे औऱ टाउन हॉल मेट्रो स्टेशन की पहुँच

उपलब्ध है। एरणाकुलम जंक्शन स्टेशन का पूर्वी टर्मिनल मनोरमा बस अड्डे से काफी नजदीक है। मेट्रो/बस/सड़क वाहन से रेलवे स्टेशन आने वाले यात्रियों के लिए उपरोक्त व्यवस्थाओं को पर्याप्त और प्रभावी माना गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इस योजना में ऐसे प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्टलेटरएस्के/, स्वच्छता, निशुल्क:, वाई-फाई,'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन का सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टीरहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अभी तक, रेल मंत्रालय ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया है, जिसमें से एरणाकुलम टाउन और एरणाकुलम जंक्शन सहित 35 स्टेशन केरल राज्य में स्थित हैं। केरल राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
केरल	35	आलप्पुष़ा, अंगाडिप्पुरम, कालडि के लिए अंगमाली, चालक्कुडि,

		चन्गनाशेरी, चेंगन्नूर, चिरयिनकीष़, एरणाकुलम, एरणाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, फरोक, गुरुवायूर, कण्णूर कासरगोड, कायमकुलम, कोल्लम, कोझिकोड, कुट्टिप्पुरम, मावेलिक्करा, नय्याट्टिनकरा, निलंबूर रोड, ओट्टप्पालम, परप्पनंगाडि, पय्यन्नूर, पुनलूर, षोरणूर जं., तलश्शेरी, तिरुवनंतपुरम, तृश्शूर, तिरूर, तिरुवल्ला, तृप्पणित्तरा, वडकरा, वर्कला शिवगिरी, वडक्कांचेरि

भारतीय रेल के पास कार्यों की गुणवत्ता की जांच करने के लिए एक अंतःनिर्मित तंत्र है, जो भारतीय रेल इंजीनियरी संहिता, भारतीय रेल निर्माण-कार्य नियमावली और विशिष्टि इत्यादि में निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार रेल अधिकारियों द्वारा विभिन्न स्तरों पर निष्पादित किया जा रहा है और केवल निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाले निर्माण कार्यों को ही स्वीकार किया जाता है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए अग्नि शमन, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइनें, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

******